HINDI

SEMESTER -1

MJC-1: हिंदी साहित्य का इतिहास आदिकाल से रीतिकाल तक

COURSE OUTCOMES

इस पत्र के अध्ययन से हिन्दी साहित्य की प्रारम्भिक अवस्थाओं / स्थितियों का परिचय मिलेगा। भारतीय साहित्य की परम्पराओं से हिन्दी साहित्य को विरासत के रूप में साहित्य और संस्कृति की कौन-कौन सी प्रवृत्तियाँ प्राप्त हुई इसका पता चलेगा। भक्ति आन्दोलन से जिस गंगा-जमुनी भारतीय संस्कृति का प्रचलन हुआ उसका ज्ञान विद्यार्थियों को व्यावहारिक रूप से साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से प्राप्त होगा।

MJC-2 : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

COURSE OUTCOMES

इस पत्र को पढ़ने के बाद हिंदी के आदिकाल से लेकर रीतिकाल के विशिष्ट कवियों के काव्य वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे। इन कवियों के अध्ययन से हिंदी कविता के वैविध्य से परिचित होने का आपको अवसर मिलेगा। तदयुगीन ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक यथार्थ से कविता के संबंध की व्याख्या कर सकेंगे। साथ ही कविताओं के पाठगत अध्ययन से आपकी संवेदना का विकास होगा और आपकी भाषा समृद्ध होगी।

MIC-1 हिंदी साहित्य का इतिहास

COURSE OUTCOMES

जनता की चित्तवृत्ति के बदलते स्वरूप के साथ साहित्य के बदलते स्वरूप के संबंध को आप भलीभांति समझ सकेंगे। इस पत्र के माध्यम से विभिन्न युगों के काव्य / साहित्य के आपसी संबंधों के साथ उनके बीच के अंतर्विरोधों को भी समझा जा सकता है। इस पत्र के माध्यम से समाज और साहित्य के संबंधों के स्वरूप की भी आप व्याख्या कर सकेंगे।

SEMESTER -II

MIC-2 हिंदी कविता : मध्यकाल

COURSE OUTCOMES

मध्यकाल की हिंदी कविता की विभिन्न छवियों से आप परिचित हो सकेंगे। इन कवियों के पाठगत अध्ययन से आप साहित्य के साथ सामाजिक संबंधों की पड़ताल भी कर सकेंगे। इन कविताओं के पाठ से आपकी संवेदना के विकास के साथ आपकी भाषिक समृद्धि भी होगी।

MIL Hindi

COURSE OUTCOMES

इस पत्र से विद्यार्थी हिंदी भाषा की ध्वनियों, लिपि और वर्तनी का परिचय प्राप्त कर भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन के साथ भाषाई सम्प्रेषण एवं संवाद में दक्ष हो सकेंगे। हिंदी लेखन के अनेक रूपों - निबंध, संक्षेपण, पल्लवन, अवबोध आदि की जानकारी प्राप्त करेंगे। प्रयोजनमूलक हिंदी के कुछ उपयोगी रूपों से परिचित होंगे। हिंदी की कुछ रचनाओं के आस्वादन से अपनी संवेदना का विस्तार कर सकेंगे। विद्यार्थियों

की रचनात्मकता का विकास होगा। यह पत्र मूलतः हिन्दी के व्यावहारिक और व्याकरणिक पक्ष को एकसाथ मजबूत करनेवाला है। पत्र रोजगार की दृष्टि से भी उपयोगी है।

SEMESTER- III

MJC3 : हिन्दी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल

Course Outcomes

इस पत्र के अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी से जहाँ विद्यार्थियों की समष्टिगत, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना का विकास होगा, वहीं वे विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

MJC-4 : आधुनिक हिन्दी कविता : छायावाद तक

Course Outcomes

इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी 1850 ई० से 1936 ई० तक भारत में होनेवाले राजनीतिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन को आत्मसात् कर वर्तमान परिवेष्ट्र। का तुलनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता विकसित कर सकेंगे। साथ ही भारतीय नवजागरण एवं राष्ट्रीय आंदोलन को संवेदना के धरातल पर ग्रहण कर विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में इन तथ्यों को नये दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत करने में सफल होंगे।

SEMESTER - IV

MJC - 5: छायावादोत्तर हिन्दी कविता

Course outcomes

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी छायावाद के बाद हिन्दी कविता में हो रहे बदलावों से अवगत होंगे। छायावादोत्तर हिन्दी कविता की प्रवृत्तियों एवं काव्यगत वैशिष्ट्य को समझ सकेंगे। उनकी कविता की समझ एवं आलोचनात्मक क्षमता में वृद्धि होगी। इस दौरान वे इस के कवियों के व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व से भी परिचित होंगे।

MJC-6: भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course outcomes

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात विधार्थी काव्यशास्त्र की मौलिक अवधारणाओं से परिचय प्राप्त करेंगे। काव्य के विभिन्न प्रकारों से अवगत होंगे। साथ ही, भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विवादों को भली भांति समझ पायेंगे। काव्य के विभिन्न उपकरणों यथा -अलंकार एवं छंद से परिचित होंगे। अध्ययन के पश्चात् उनकी काव्य संबंधी आलोचनात्मक चेतना विकसित होगी।

MJC - 7: हिंदी की साहित्यिक विधाएँ उद्भव और विकास

Course outcomes

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी साहित्यिक विधाओं के स्वरूप एवं इतिहास के साथ-साथ उनके उद्भव एवं विकास की अवधारणा को समझ पायेंगे। वे विभिन्न साहित्यिक विधाओं की विशिष्टता एवं महत्त्व के साथ ही विभिन्न विधाओं के मध्य मौलिक अंतर से अवगत होंगे।

SEMESTER - V

MJC 8 : हिंदी भाषा उद्भव और विकास

Course Ooutcome -

इस पत्र के अध्ययन से भाषा चिन्तन की भारतीय परम्परा, भारोपीय भाषा परिवार एवं मध्यकाल में भाषा के विकास को जान सकेंगे। इसके अलावा आधुनिक हिन्दी आंदोलन, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, देवनागरी लिपि के साथ-साथ विद्यार्थी अपनी भाषा और बोली के विकासात्मक स्वरूप को समझ सकेंगे।

MJC 9: हिंदी उपन्यास

Course Ooutcome --

भारतीय कथा-साहित्य की परम्परा में उपन्यास की अवधारणा और विकास-क्रम की जानकारी को समृद्ध करना इस पत्र का प्रमुख अभीष्ट है। हिन्दी उपन्यास में प्रेमचन्द मील के पत्थर हैं। ऐसी स्थिति में गबन उपन्यास के अध्ययन से आभूषणप्रियता के मोह का दुष्परिणाम और सेवा भावना के महत्त्व से परिचित होंगे। साथ ही त्यागपत्र उपन्यास के माध्यम से मनोवैज्ञानिक चेतना तथा दिव्या के माध्यम से बौद्ध-जीवन दर्शन के ज्ञान से समृद्ध हो सकेंगे। महाभोज उपन्यास के माध्यम से राजनीति के दावपेंच एवं जुलूस में विस्थापन तथा विभाजन की पीड़ा और त्रासदी की समस्या का उद्घाटन इस पत्र के अध्ययन द्वारा सम्भव होगा।

SEMESTER – VI

MJC 10: हिंदी कहानी

Course Ooutcome -

इस पत्र के अध्ययन से हिन्दी कहानी की विकास यात्रा में विविध काल-खण्ड की कहानियों और कहानीकारों के संवेदानात्मक धरातल को विविध दृष्टियों से समझने में समर्थ होंगे। गुलेरी से लेकर प्रेमचन्द, प्रसाद, जैनेन्द्र, अज्ञेय, मोहन राकेश, अमरकान्त, रेणु, शेखर जोशी, ज्ञान रंजन की कहानियों की संवेदना और शिल्प की समुचित जानकारी से समृद्ध होंगे।

MJC 11: -हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

Course outcomes

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी नाटक एवं रंगमंच के स्वरूप, प्रकार एवं बिहार के विशेष नाट्य शैलियों से परिचित होंगे। साथ ही नाटकों एवं नाटककारों को पढ़ते हुए अपनी विश्लेषण एवं आलोचनात्मक क्षमता को विकसित करेंगे।

MJC-12: हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

Course outcomes

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् विद्यार्थी हिंदी निबंध के विभिन्न रूपों एवं वैशिष्ट्य से अवगत होंगे। साथ ही, हिंदी निबंधकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होते हुए अपनी आलोचनात्मक क्षमता को विकसित कर सकेंगे।

SEMESTER – VII -

MJC-13: हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

Course Outcomes

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् विद्यार्थी हिंदी पत्रकारिता के विकास में हिंदी साहित्यकारों के योगदान तथा हिंदी पत्रकारिता का हिंदी साहित्य के विकास में योगदान से अवगत होंगे। साथ ही विभिन्न युगों में हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता के विकास के स्वरूप से परिचित होते हुए कुछ मुख्य पत्र-पत्रिकाओं के संबंध में जानकारी हासिल करेंगे।

MJC-15 : प्रयोजनमूलक हिंदी

Course outcomes

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप, व्यवहार एवं उनके प्रकारों से अवगत होंगे। साथ ही साथ सरकारी कार्यालयों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में प्रयोग की जाने वाली हिंदी को सीख सकेंगे।

SEMESTER - VIII

MJC-16: लोक साहित्य

Course outcomes

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थी समाज में लोक के स्वरूप और उसके महत्त्व तथा लोक की संस्कृति और उसके विभिन्न रूपों से परिचित होंगे। साथ ही, लोक भाषा के महत्त्व, लोक साहित्य को समझ सकेंगे ।

MJC 14- Research Methodology (Social Sciences& Humanities)

Course Outcomes

On completion of the Course, the students can undertake independent research with following Outcomes:

LOC 1: Students will gain skills of scientific analysis.

LOC 2: Students will gain contemporary and interdisciplinary knowledge.

LOC 3: Students will have global understanding of nuances of Research.

MIC-3: आधुनिक हिंदी कविता छायावाद तक

Course Outcomes

कविता के पाठगत विश्लेषण के द्वारा विद्यार्थी अपनी विश्लेषणात्मक चेतना विकसित कर सकेंगे। साथ ही भारतीय नवजागरण एवं राष्ट्रीय आंदोलन को समझने की एक नयी दृष्टि का भी विकास संभव हो सकेगा। प्रतियोगिता परीक्षा की दृष्टि से भी यह उनके लिए सकारात्मक सिद्ध होगा।

हिन्दी विषय – कार्यक्रम उद्देश्य (Programme Outcomes - POs)

1. **भारतीय साहित्यिक परंपरा और समकालीन दृष्टि का समन्वय:**
    - विद्यार्थी साहित्य की ऐतिहासिक परंपरा से परिचित होकर वर्तमान सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों की समझ विकसित करेंगे।
2. **भाषिक एवं सृजनात्मक दक्षता:**

- छात्र शुद्ध एवं प्रभावी हिन्दी भाषा में संवाद, लेखन, अनुवाद एवं अभिव्यक्ति की दक्षता प्राप्त करेंगे।

3. **सामाजिक चेतना और राष्ट्रीयता का बोध:**
    - साहित्य के माध्यम से भारतीय नवजागरण, राष्ट्रीय आंदोलन एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ विकसित होगी।
4. **रोजगार की संभावना:**
    - छात्र हिंदी भाषा व साहित्य में प्राप्त ज्ञान के माध्यम से शिक्षा, पत्रकारिता, अनुवाद, प्रशासनिक सेवाओं, शोध आदि क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
5. **समीक्षात्मक दृष्टिकोण और मूल्य चेतना:**
    - साहित्यिक पाठों के माध्यम से नैतिक, सांस्कृतिक और मूल्यात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा।
6. **बहुविध साहित्यिक विधाओं में पारंगता:**
    - विद्यार्थी काव्य, गद्य, नाटक, आलोचना, पत्रकारिता आदि में विधागत भिन्नताओं एवं उनके अंतर्संबंधों को समझ सकेंगे।
7. **संवेदनशील, विश्लेषणात्मक एवं बहुआयामी दृष्टि का विकास:**
    - साहित्य का अध्ययन विद्यार्थियों की अंतर्दृष्टि, सहानुभूति, विचारशीलता एवं विवेकशीलता को समृद्ध करता है।